सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-6	विषय: पाठ्य पुस्तक	पाठ:6

मौखिक प्रश्न /उत्तर

प्रश्न १) राजा ब्राहमण शिशुपाल के घर कब आए?

उत्तर राजा ब्राहमण शिशुपाल के घर संध्या के समय आए।

प्रश्न २) शिशुपाल किनको देखकर सा सहम गए?

उत्तर शिशुपाल सिपाहियों को देखकर सहम गए।

प्रश्न३.) भोज करने के बाद शिशुपाल ने राजा से क्या कहा?

उत्तर भोजन करने के बाद शिशुपाल ने राजा से यह कहा कि "आजकल बड़ा अन्याय हो रहा है। मेरा तो खून बोल उठता है।"

प्र०४) न्याय का डंका बजाने का अवसर किसे किसने दिया ?

उत्तर न्याय का डंका बजाने का अवसर सम्राट अशोक ने शिशुपाल को दिया।

प्रश्न ५). सुबह होने पर लोग हैरान क्यों थे?

उत्तर सुबह होने पर लोग हैरान इसलिए थे क्योंकि एक महीने बाद किसी ने रात में एक पहरेदार की हत्या हत्या कर दी थी।

लिखित प्रश्न /उत्तर

प्रश्न१) सिपाहियों के साथ चलते हुए शिशुपाल क्या सोच रहे थे?

उत्तर सिपाहियों के साथ चलते हुए शिशुपाल यह सोच रहे थे कि "कहीं उस परदेसी ने तो सम्राट से झूठी - सच्ची शिकायत नहीं कर दी।"

प्रश्न २) दरबार में निस्तब्धता क्यों छा गई?

उत्तर शिशुपाल के यह बताए जाने पर कि अपराधी स्वयं सम्राट है और गिरफ्तार कर लिया जाए यह सुनकर दरबार में निस्तब्धता छा गई।

प्रश्न ३) न्याय मंत्री ने क्या निर्णय सुनाया?

उत्तर- न्याय मंत्री ने यह निर्णय सुनाया कि "सम्राट अशोक तुम पर पहरेदारी की हत्या का अपराध लगाया जाता है। इस अपराध के लिए तुम्हें मृत्युदंड दिया जाता है।"

प्रश्न ४) सोने की मूर्ति को फाँसी पर क्यों लटकाया गया?

उत्तर- यह सच है कि अपराधी को दंड मिलना चाहिए परंतु अपराधी और कोई नहीं स्वयं सम्राट है शास्त्रों में राजा को ईश्वर का रूप माना गया है इसलिए उसे ईश्वर ही दंड दे सकता है अतः सम्राट को चेतावनी देकर छोड़ दिया जाए और उनके स्थान पर सोने की मूर्ति को फाँसी पर लटका दिया जाए।